FASTags: क्या, क्यों और कैसे

लेखक- अविषेक जी दस्तीदार (संपादक)

यह आलेख सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र-II (सरकारी योजनाएँ) से संबंधित है।

इंडियन एक्सप्रेस

4 दिसम्बर, 2019

"1 दिसंबर से राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल भुगतान के लिए ऐसे टैग अनिवार्य होंगे। वाहनों में स्थापित FASTag जब एक बूथ को पार करेगा तब यह इलेक्ट्रॉनिक भुगतान को सक्षम करेगा। इस आलेख में हम जानेंगे कि इसे कैसे खरीदा जा सकता है और यह कैसे काम करेगा?"

1 दिसंबर से भारत भर में राष्ट्रीय राजमार्ग टोल प्लाजा पर लेन केवल FASTag – जब वाहन टोल प्लाजा के बैरियर को पार करेगा तो वाहन में लगा FASTag टोल का भुगतान स्वचालित रूप से कर देगा – के माध्यम से टोल को स्वीकार करेंगे। हालाँकि एक हाइब्रिड लेन टैग-सक्षम होने के अलावा नकद स्वीकार करना जारी रखेगा। वास्तव में, पिछले कुछ वर्षों में खरीदे गए सभी नए वाहन, पहले से ही फास्टैगस प्री-इंस्टॉल के साथ आते हैं।

इसलिए अगले महीने से भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) के नियंत्रण में सभी 560-विषम प्लाजा मानव हस्तक्षेप के बिना टोल एकत्र करेंगे और वाहनों को टोल का भुगतान करने के लिए रुकने की आवश्यकता नहीं होगी। इसका उद्देश्य वाहनों के जमाव को दूर करना और इलेक्ट्रॉनिक रूप से सभी टोल को सुनिश्चित करना है।

FASTag कैसे काम करता है?

डिवाइस सीधे जुड़े हुए प्रीपेड या बचत खाते से भुगतान के लिए रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (RFID) तकनीक का इस्तेमाल करता है। यह विंडस्क्रीन पर चिपका हुआ रहेगा, इसलिए वाहन बिना रुके प्लाजा से ड्राइव कर सकता है। RFID तकनीक ट्रांसपोर्ट एक्सेस-कंट्रोल सिस्टम में इस्तेमाल होने वाली मेट्रो कार्ड की तरह ही है।

यदि टैग वॉलेट या डेबिट / क्रेडिट कार्ड जैसे प्रीपेड खाते से जुड़ा हुआ है, तो मालिकों को टैग को रिचार्ज / टॉप अप करना होगा। यदि इसे बचत खाते से जोड़ा जाता है तो पूर्व-निर्धारित सीमा से नीचे जाने पर शेष धनराशि स्वत: ही कट जाएगी। एक वाहन टोल को पार करने के बाद मालिक को कटौती पर एक एसएमएस अलर्ट मिलेगा। यह प्रीपेड ई-वॉलेट की तरह है।

एक FASTag पाँच साल के लिए वैध होता है और आवश्यकता पड़ने पर इसे रिचार्ज किया जा सकता है।

मैं इसे कैसे खरीद सकता हूँ?

अमेजन और पेटीएम जैसे ई-कॉमर्स पोर्टल विभिन्न बैंकों द्वारा जारी किए गए इन टैगों को बेचते हैं। वे 22 बैंकों (एनएचएआई) और एनएचएआई द्वारा स्थापित बिक्री के 27,000 अंकों पर उपलब्ध हैं। एनएचएआई काउंटरों पर ज्यादातर टोल प्लाजाओं पर टैग 1 दिसंबर तक मुफ्त है। इन काउंटरों को स्थापित करने वाले स्थानों में सड़क परिवहन प्राधिकरण कार्यालय, परिवहन हब, बैंक शाखाएँ और चयनित पेट्रोल पंप शामिल हैं।

NHAI से खरीदा गया एक FASTag 100 रुपये की एकमुश्त फीस के साथ आता है, साथ ही 150 रुपये की रिफंडेबल सिक्योरिटी डिपॉजिट भी इसमें निहित है।

NHAI बूथों पर वर्तमान में मुफ्त टैग के अलावा, एक प्रस्ताव के रूप में FASTag लेनदेन पर 2.5 प्रतिशत का कैशबैक भी है। NHAI से लिए गए टैग में 150 रुपये का सिक्योरिटी डिपॉजिट, जिसे सरकार प्रमोशन के तौर पर ले रही है यूजर को वॉलेट

वैल्यू के रूप में वापस आती है, अगर FASTag "डल FASTag ऐप" मोबाइल ऐप में NHAI ई-वॉलेट से जुड़ा हो, तो इस विशेष योजना में उपयोगकर्ता को बिना भुगतान किए भी 150 रुपये वापस मिल जाते हैं।

FASTag खरीदने की क्या आवश्यकता है और इसे नहीं खरीदने पर क्या होगा?

अधिकारियों ने कहा कि वाहन पंजीकरण प्रमाणपत्र की एक प्रति और वाहन की एक तस्वीर एनएचएआई से फास्टैग प्राप्त करने के लिए पर्याप्त है। बैंक कुछ अतिरिक्त दस्तावेजों की तलाश कर सकते हैं।

FASTag के बिना FASTag लेन में प्रवेश करने वाले वाहनों से टोल राशि का दोगुना शुल्क लिया जाएगा।

क्या टोल रोड के करीब रहने वाले लोग अधिक भुगतान नहीं करेंगे?

एक सरकारी अधिसूचना के अनुसार टोल प्लाजा के 10 किमी के भीतर रहने वाले उपयोगकर्ता FASTag के माध्यम से भुगतान किए जाने वाले टोल पर रियायत का लाभ उठा सकते हैं। इसके लिए उन्हें अपने निवास स्थान और निकटतम बिंदु-बिक्री स्थान का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा। एक बार पता सत्यापित होने के बाद वाहन पर चिपकाए गए FASTag के माध्यम से रियायत सुनिश्चित की जाएँगी।

क्या यह सुचारू रूप से काम कर रहा है?

बैंकों द्वारा बेचे जाने वाले टैग 'बैंक-तटस्थ' नहीं हैं। एक बैंक से खरीदे गए FASTag को केवल उसी विशेष बैंक के माध्यम से रिचार्ज किया जा सकता है, अन्य बैंकों के माध्यम से नहीं। हालाँकि, NHAI द्वारा बेचे/वितरित किए गए टैग बैंक-तटस्थ हैं क्योंकि कोई भी टैग में मूल्य को रिचार्ज करने के लिए किसी भी बैंक खाते का उपयोग कर सकता है।

हालाँकि इस प्रौद्योगिकी में भी शुरुआती समस्याएँ देखने को मिली हैं। उपयोगकर्ताओं ने शिकायत की है कि टैग-रीडर अक्सर टैग को पढ़ने में सक्षम नहीं है इसके अलावा एसएमएस अलर्ट अक्सर देर से आ रहा है।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के एक आदेश के बाद, NHAI और इसकी सहायक भारतीय राजमार्ग प्रबंधन कंपनी लिमिटेड (IHMCL) ने इन चुनौतियों से निपटने के लिए सभी टोल प्लाजा में नोडल अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की है। मंत्रालय के अधिकारियों ने भी प्रभावि के रूप में कार्यान्वयन की देखरेख करने के लिए निकाल दिया है।

टैग से संबंधित शिकायतों के लिए NHAI ने एक टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर, '1033' स्थापित किया गया है। व्यक्तिगत बैंक हेल्पलाइन के लिए वेबसाइट ihmcl-com पर है। इसके अतिरिक्त, डल FASTag ऐप में एक ग्राहक-देखभाल लिंक भी है।

विचार कैसे आया?

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गड़करी के ध्यान में यह विचार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'डिजिटल इंडिया' अभियान के तहत् आया था। सरकार सालों से FASTag को लोकप्रिय बनाने की कोशिश कर रही है।

पिछले कुछ दिनों में बिक्री में तेजी आई है। गड़करी द्वारा 21 नवंबर को घोषणा के बिना किसी छोटे उपाय में यह मदद् की गई है कि 1 दिसंबर तक सरकार 150 रुपये की सुरक्षा जमा राशि वहन करेगी, जिससे भौतिक टैग लगभग मुक्त हो जाएगा।

इन टैगों की औसत दैनिक बिक्री जुलाई में 8,000 से 4 गुना बढ़कर नवंबर के तीसरे सप्ताह तक लगभग 35,000 हो गई थी। 26 नवंबर को, 1.35 लाख FASTags जारी किए गए। फास्टैग के माध्यम से संसाधित दैनिक लेनदेन इस वर्ष जुलाई में 8.8 लाख से नवंबर में बढ़कर 11.2 लाख हो गया है, जबकि इसी अवधि के लिए औसत दैनिक इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह 11.2 करोड़ रुपये से बढ़कर 19.5 करोड़ रुपये हो गया है। हाल ही में अब तक लगभग 70 लाख FASTags जारी किए गए हैं और संख्या बढ़ रही है।

राज्य राजमार्गों के बारे में?

एक नई 'वन नेशन वन फास्टैग' योजना के तहत् एनएचएआई राज्यों को बोर्ड पर लाने की कोशिश कर रहा है ताकि राजमार्गों पर एक टैग को मूल रूप से उपयोग किया जा सके, चाहे वह राज्य हो या केंद्र जो इसका मालिक है/इसका प्रबंधन करता है। हाल ही में एक पायलट परियोजना के रूप में कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और हरियाणा ने राज्य राजमार्गों में FASTags को स्वीकार करने के लिए केंद्र के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए।

संभावित प्रश्न (प्रारंभिक परीक्षा)

1. भारतीय बाजार की इलेक्ट्रॉनिक टोलिंग से संबंधित **FASTags** के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया द्वारा विकसित किया गया है।
2. FASTags एक ऐसा उपकरण है, जो रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन तकनीक पर कार्य करता है।
3. यह कैशलेस भुगतान की सुविधा प्रदान करता है।

उपर्युक्त में से कौन-से कथन सत्य हैं?

(a) 1 और 2

(b) 2 और 3

(c) 1 और 3

(d) इनमें से कोई नहीं

Expected Questions (Prelims Exams)

1. **Consider the following statements in the context of electronic tolling of the Indian market.**

1. It is developed by National Payments Corporation of India.
2. FASTags is an instrument that works on radio frequency identification technology.
3. It provides cashless payment facility

Which of the above statements are correct?

(a) 1 and 2

(b) 2 and 3

(c) 1 and 3

(d) None of the these

संभावित प्रश्न (मुख्य परीक्षा)

प्रश्न: 'परिवहन अवसंरचना विकास भारत के तीव्र विकास की एक आवश्यक शर्त है और इसमें डिजिटल प्रणालियों का समेकन इसे और बेहतर बना सकता है।' इस कथन के संदर्भ में वन नेशन, वन फास्टैग की समीक्षा कीजिए। (250 शब्द)

'Transport infrastructure development is a necessary condition for India's rapid development and the integration of digital systems in it can further improve it.' In the context of this statement review One Nation, One FASTags. (250 words)

नोट : 3 दिसम्बर को दिए गए प्रारंभिक परीक्षा (संभावित प्रश्न) का उत्तर 1 (a) होगा।